AGRAWAL EXAMCART
Paper Pakka Fasega!

CTET

CENTRAL TEACHER ELIGIBILITY TEST

केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा

वर्ष 2011–2022 के पेपर्स का विश्लेषण चार्ट

Paper - 2 (कक्षा 6 से 8 के लिए)

अध्यायवार सॉल्व्ड पेपर्स (2011 से 2021 तक)

अपनी परीक्षा की तैयारी को बेहतर बनाएं!

CTET परीक्षा के विगत वर्षों के प्रश्नों को अध्यायवार हल करने पर आप हर विषय के topic पर अपनी तैयारी का सटीक आंकलन कर पाएंगे जिससे आप अपनी आगामी परीक्षा की तैयारी को काफी अच्छा कर सकते हैं।

बाल विकास एवं शिक्षाशास्त्र | हिन्दी (भाषा 1 एवं 2) | English (Language 1 & 2) | संस्कृत (भाषा 1 एवं 2) | / सामाजिक विज्ञान

मुख्य समावेश CTET (23 Dec 2021, 7 एवं 3 Jan 2022) के सॉल्व्ड पेपर्स का समावेश

Code	Price	Pages
CB907	₹ 239	302

विषय सूची

Student's Corner *पृष्ठ संख्या*

⊙ **Agrawal Examcart Help Centre** vi

⊙ **परीक्षा की तैयारी करने की Best Strategy** vii

⊙ **Current Affairs! की 100% सटीक तैयारी कैसे करें ?** viii

⊙ **C-TET के पिछले वर्षों के हल प्रश्न–पत्रों का विश्लेषण चार्ट** ix

⊙ **केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा पाठ्यक्रम** xii

Unit-1 : बाल विकास 1-45

1. विकास की अवधारणा एवं उसका अधिगम से सम्बन्ध 1-3
2. बाल विकास के सिद्धान्त 3-4
3. आनुवंशिकता (वंशानुक्रम) एवं वातावरण का प्रभाव 4-5
4. समाजीकरण की प्रक्रिया : सामाजिक दुनिया और बच्चे 5-7
5. पियाजे, कोहलबर्ग, वाइगोत्सकी : निर्माण और आलोचनात्मक दृष्टिकोण 7-12
6. बाल केन्द्रित एवं प्रगतिशील शिक्षा की अवधारणा 12-14
7. बुद्धि के निर्माण का आलोचनात्मक दृष्टिकोण एवं बहुआयामी बुद्धि 14-16
8. भाषा और विचार (चिंतन) 16-17
9. सामाजिक निर्माण के रूप में लिंग : लिंग की भूमिका, लिंगीय भेद और शैक्षिक अभ्यास 17-19
10. व्यक्तिगत विभिन्नता 19-19
11. आकलन तथा सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन 19-22
12. उपलब्धि परीक्षण का निर्माण 22-23
13. अलाभान्वित एवं वंचित वर्गों सहित विविध पृष्ठभूमियों के अधिगमकर्ता की पहचान 23-26
14. अधिगम अयोग्यताएँ एवं अक्षमता वाले बालकों की आवश्यकताओं की पहचान 26-29
15. प्रतिभाशाली, सृजनात्मक, विशेष योग्यता वाले बालकों की पहचान 29-31
16. बालक कैसे सोचते हैं व सीखते हैं? 31-32
17. शिक्षण व अधिगम की मूल प्रक्रियाएँ (शिक्षाशास्त्र) 32-37
18. समस्या-समाधानकर्ता और वैज्ञानिक अन्वेषक के रूप में बालक 37-38
19. बच्चों में अधिगम की वैकल्पिक अवधारणाएँ एवं बच्चों की त्रुटियाँ 38-42
20. संज्ञान और संवेग 42-43
21. अभिप्रेरणा और अधिगम : अधिगम में योगदान देने वाले कारक 43-45

Unit-2 : हिन्दी 46-82

1. अपठित गद्यांश 46-75
2. अपठित पद्यांश 75-82

Unit-3 : English	**83-116**
1. Comprehension (Questions based on Inference, Grammar and Verbal Ability)	**83-115**
▫ **Passage**	**83-109**
▫ **Poem**	**109-113**
▫ **Extract**	**113-115**
2. Pedagogy of Language Development	**115-116**
Unit-4 : संस्कृत	**117-165**
1. अपठित गद्यांशः	**117-135**
2. अपठित पद्यांशः	**135-144**
3. संस्कृत भाषा शिक्षण	**144-165**
Unit-5 : सामाजिक अध्ययन	**166-223**
1. इतिहास के स्रोत (कब, कहाँ और कैसे)	**166-167**
2. मानव का विकास (प्रारम्भिक विकास, प्रथम कृषक तथा चरवाहे)	**168-169**
3. सिंधु घाटी एवं वैदिक काल (प्रारम्भिक नगर)	**169-171**
4. महाजनपद काल (प्रारम्भिक राज्य)	**171-172**
5. बौद्ध तथा जैन धर्म (नए विचार)	**172-173**
6. मौर्य काल (प्रथम साम्राज्य तथा दूरस्थ भूमि से संपर्क, राजनैतिक विकास, संस्कृति एवं विज्ञान)	**173-174**
7. मौर्योत्तर काल (नए सम्राट एवं साम्राज्य)	**174**
8. भारत पर मुस्लिम आक्रमण तथा दिल्ली सल्तनत (दिल्ली के सुल्तान)	**174-177**
9. मुगल वंश एवं स्वायत्त राज्यों का उदय (साम्राज्य का उदय)	**177-179**
10. भारत में यूरोपियनों का आगमन (कम्पनी शासन की स्थापना एवं ग्रामीण जीवन तथा समाज)	**179-183**
11. 1857 का स्वतंत्रता संग्राम तथा अन्य विद्रोह (उपनिवेशवाद, जनजातीय समाज)	**183-184**
12. समाज सुधार आन्दोलन (महिला और सुधार, जाति व्यवस्था को चुनौती)	**184-186**
13. राष्ट्रवादी आन्दोलन तथा स्वतंत्रता के बाद भारत	**186-187**
14. ब्रह्माण्ड, सौरमण्डल तथा मानचित्रण	**187-191**
15. पृथ्वी की संरचना तथा उसके परिमंडल	**191-198**
16. पर्यावरण एवं संसाधन	**198-200**
17. खनिज और शक्ति संसाधन	**200-201**
18. कृषि एवं उद्योग	**201-203**
19. मानवीय पर्यावरण : बस्तियाँ, परिवहन, संचार एवं प्रदेश जीवन	**204**
20. हमारा देश भारत	**204-206**
21. विविधता	**206-207**
22. सरकार	**207-208**
23. हमारा समाज तथा आजीविकाएँ	**208**
24. लिंग बोध	**209**

25. संचार माध्यम, विज्ञापन व बाजार 209-210
26. भारतीय संविधान और धर्म निरपेक्ष 211-220
27. सामाजिक न्याय, आर्थिक क्षेत्र एवं सरकार 220-223

सॉल्व्ड पेपर्स

☞ केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा पेपर–II (6 to 8) हल प्रश्न–पत्र परीक्षा तिथि : 07-01-2022 1-24
☞ केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा पेपर–II (6 to 8) हल प्रश्न–पत्र परीक्षा तिथि : 03-01-2022 25-48
☞ केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा पेपर–II (6 to 8) हल प्रश्न–पत्र परीक्षा तिथि : 23-12-2021 25-48

UNIT - 1

बाल विकास एवं शिक्षाशास्त्र

1. विकास की अवधारणा एवं उसका अधिगम से सम्बन्ध

1. बच्चों के अधिगम में शारीरिक स्वास्थ्य और सांवेगिक अवस्था.....
(A) का कोई आपसी सम्बन्ध नहीं है।
(B) की भूमिका नगण्य है।
(C) का कोई प्रभाव नहीं होता है।
(D) की एक महत्त्वपूर्ण भूमिका है।
CTET 31-01-2021 (VI-VIII)

1. (D) बच्चों के अधिगम में शारीरिक स्वास्थ्य और सांवेगिक अवस्था की एक महत्वपूर्ण भूमिका है।

2. विकास के विषय में निम्नलिखित में से कौन–सा कथन सही है ?
(A) विकास सुरुचिपूर्ण, सुव्यवस्थित समूह की अवस्थाओं में पूर्वनिश्चित आनुवंशिक घटकों के कारण होता है।
(B) विकास एक सरल और एक–दिशीय प्रक्रिया है।
(C) बच्चों के विकास में बहुत–सी सांस्कृतिक विविधताएँ होती हैं।
(D) संसार में सभी बच्चों का विकास एक ही क्रम में और सुनिश्चित समय से होता है।
CTET 31-01-2021 (VI-VIII)

2. (C) विकास के विषय में बच्चों के विकास में बहुतसी सांस्कृतिक विविधताएँ होती हैं।

3. निम्नलिखित में से मध्य बाल्यावस्था की अवधि का मुख्य प्रमाण चिह्न कौन–सा है ?
(A) पेशीय कौशल और समग्र शारीरिक वृद्धि का तेज़ी से विकास।
(B) वैज्ञानिक तर्क और अमूर्त रूप से सोचने की क्षमता का विकास।
(C) प्रतीकात्मक–खेल का उभरना।
(D) तर्कसंगत विचारों का विकास जो कि प्राकृतिक रूप से मूर्त हैं।
CTET 31-01-2021 (VI-VIII)

3. (D) मध्य बाल्यावस्था की अवधि का मुख्य प्रमाण चिह्न तर्कसंगत विचारों का विकास जो कि प्राकृतिक रूप से मूर्त है।

4. बाल्यावस्था की अवधि में विकास—
(A) में केवल परिमाणात्मक परिवर्तन होते हैं।
(B) अनियमित और असम्बद्ध होता है।
(C) धीमी गति से होता है एवं उसे मापा नहीं जा सकता।
(D) बहुस्तरीय और मिश्रित होता है।
CTET 31-01-2021 (VI-VIII)

4. (D) बाल्यावस्था की अवधि में विकास बहुस्तरीय और मिश्रित होता है।

5. निम्नलिखित कथनों में से कौन–सा विकास एवं अधिगम के बीच सम्बन्ध को सही तरीके से सूचित करता है ?
(A) अधिगम विकास का ध्यान किए बिना घटित होता है
(B) अधिगम की दर विकास की दर से काफी अधिक होती है
(C) विकास एवं अधिगम अंतःसम्बन्धित और अन्तःनिर्भर होते हैं
(D) विकास एवं अधिगम सम्बन्धित नहीं हैं
CTET 07-07-2019 (VI-VIII)

5. (C) विकास और अधिगम के संबंध में निम्नलिखित कथन सत्य हैं –
- विकास एवं अधिगम अंतःसम्बन्धित और अंतःनिर्भर होते हैं।
- विकास एवं अधिगम दोनों अनवरत गति से जीवनपर्यंत चलती हैं।
- विकास एवं अधिगम के संबंध को इस तरह समझा जा सकता है कि बालक का जैसे-जैसे विकास होता जाता है उसका व्यवहार भी परिष्कृत होता जाता है। अर्थात् उसके विकास के साथ–साथ अधिगम के परिणामस्वरूप व्यवहार में परिवर्तन भी होता जाता है।

6. शरीर के केंद्रीय भाग से परिधियों या अग्रांगों की ओर का विकास दर्शाता है–
(A) मध्य-बाह्य विकास के सिद्धांतों को
(B) सोपानीय विकास के सिद्धांतों को
(C) विकिरणीय विकास के सिद्धांतों को
(D) विकेंद्रीकृत विकास के सिद्धांतों को
CTET 09-12-2018 (VI-VIII)

6. (A) मध्य–बाह्य विकास का सिद्धान्त यह बतलाता है कि वृद्धि तथा विकास निकट से दूर की ओर के क्रम का अनुसरण करता है। इसके अनुसार पहले केन्द्र में स्थित अंगों की रचना व नियंत्रण होता है फिर केन्द्र से दूर स्थित अंगों की रचना व नियन्त्रण होता है। यही कारण है कि बालक पहले हाथ व पैर की माँसपेशियों पर नियन्त्रण करना सीखता है तथा बाद में अंगुलियों के संचालन में निपुण होता है।

7. ..... महीनों की आयु के बीच अधिकांश बच्चे शब्दों को मिलाकर छोटे-छोटे वाक्यों में बोलना शुरू कर देते हैं।
(A) 24 से 30 (B) 30 से 36
(C) 12 से 18 (D) 18 से 24
CTET 09-12-2018 (VI-VIII)

7. (D) 18 से 24 महीनों की आयु के बीच अधिकांश बच्चे शब्दों को मिलाकर छोटे-छोटे वाक्यों में बोलना शुरू कर देते हैं। **कार्ल सी गैरिसन** के अनुसार, ''स्कूल जाने से पूर्व बालकों में भाषा ज्ञान का विकास उनके बौद्धिक विकास की सबसे अच्छी कसौटी है'' आठ से बारह माह की आयु में बच्चा बोलता है तथा 18 से 24 माह की आयु तक शिशु प्रायः शब्दों युग्मों को बोलना प्रारम्भ कर देता है।

8. विकास के बारे में निम्नलिखित में से कौन–सा एक कथन सही है?
(A) विकास भिन्न व्यक्तियों में भिन्न गति से होता है।
(B) विकास जन्म से किशोरावस्था तक बहुत तीव्र गति से होता है और उसके बाद रुक जाता है।
(C) विकास जन्म से किशोरावस्था तक आगे की ओर बढ़ता है और फिर पीछे की ओर।
(D) विकासात्मक परिवर्तन एक सीधी रेखा में आगे जाते हैं।
CTET Feb., 2016 (VI-VIII)

8. (C) विकास निरन्तर चलने वाली प्रक्रिया है जो जन्म से मृत्यु तक चलती रहती है। विकास जन्म से किशोरावस्था तक आगे की ओर बढ़ता है और फिर पीछे की ओर यह कथन गलत है।

9. मध्य–बचपन अवधि है–
(A) 2 वर्ष से 6 वर्ष (B) 6 वर्ष से 11 वर्ष
(C) 10 वर्ष के बाद (D) जन्म से 2 वर्ष
CTET Feb., 2016 (VI-VIII)

9. (B) बाल विकास में दूसरी अवस्था बाल्यावस्था की होती है जिसे मध्य बचपन अवधि भी कहाँ जाता है। बाल्यावस्था का काल 6 वर्ष से 11 वर्ष तक ही होता है। अतः मध्य बचपन के काल की अवधि 6-11 वर्ष तक की होगी।

10. समान आयु के बच्चों में भी आकृति, योग्यता, स्वभाव, रुचि, प्रवृत्ति और अन्य बातों में बहुत अंतर होता है। इस संदर्भ में विद्यालय की क्या भूमिका है?

(A) सुनिश्चित करना कि प्रत्येक बच्चे को अपनी क्षमताओं के अनुसार विकास के अवसर मिलें।

(B) बच्चों के आकलन के लिए नियामक मानक स्थापित करना।

(C) सुनिश्चित करना कि शिक्षक मानकीकृत निर्देश और पाठ्य पुस्तकों का उपयोग करे।

(D) सुनिश्चित करना कि सभी बच्चों का विकास एक ही प्रकार से हो।

CTET Sept., 2015 (VI-VIII)

10. (A) समान आयु के बच्चों में भी आकृति, योग्यता, स्वभाव, रूचि प्रवृत्ति और अन्य बातों में बहुत अन्तर होता है। विद्यालय को यह सुनिश्चित करना होता है कि प्रत्येक बच्चे को उनकी क्षमताओं के अनुसार पर्याप्त अवसर मिले।

11. निम्नलिखित में से कौन–सा कथन विकास और अधिगम के बीच संबंध को सर्वश्रेष्ठ रूप से जोड़ता है?

(A) अधिगम और विकास एक जटिल तरीके से अंतः संबंधित है।

(B) विकास अधिगम से स्वतंत्र हैं।

(C) अधिगम विकास के पीछे रहता हैं।

(D) अधिगम और विकास समानार्थक/परिभाषिक शब्द हैं।

CTET Sept., 2015 (VI-VIII)

11. (C) अधिगम और विकास एक जटिल तरीके से अंतःसम्बन्धित है क्योंकि व्यक्ति अपनी दैनिक क्रियाओं और अनुभवों द्वारा कुछ न कुछ सीखता फलस्वरूप उसका शारीरिक और मानसिक विकास होता है।

12. इनमें से कौन–सा विकास का एक सिद्धांत नहीं है ?

(A) विकास वंशानुक्रम और पर्यावरण दोनों से प्रभावित होता है।

(B) विकास संशोधनयोग्य होता है।

(C) विकास केवल संस्कृति से शासित और निर्धारित होता है।

(D) विकास जीवनपर्यंत होता है।

CTET Sept., 2015 (VI-VIII)

12. (C) विकास केवल संस्कृति से शासित और निर्धारित होता है, यह विकास का सिद्धान्त गलत है। विकास के सिद्धान्त निम्नलिखित हैं –

(1) निरन्तर विकास का सिद्धान्त

(2) विकास दिशा का सिद्धान्त

(3) परस्पर सम्बन्ध का सिद्धान्त

(4) वैयक्तिक विभन्नता का सिद्धान्त

(5) सामान्य विशिष्ट प्रतिक्रियाओं का सिद्धान्त

(6) वंशानुक्रम व वातावरण की अंतःक्रिया का सिद्धान्त

(7) समान प्रतिमान का सिद्धान्त

(8) एकीकरण का सिद्धान्त

(9) विकास क्रम का सिद्धान्त

13. छिपी हुई वस्तुएँ ढूँढ़ निकालना इस बात का संकेत है कि शिशु निम्नलिखित में से किस संज्ञानात्मक कार्य में दक्षता प्राप्त करने लगा है?

(A) साभिप्राय व्यवहार (B) वस्तु–स्थायित्व

(C) समस्या–समाधान (D) प्रयोग करना

CTET 21.09.2014 (VI-VIII)

13. (B) छिपी हुई वस्तुएँ ढूँढ निकालना इस बात का संकेत है कि शिशु वस्तु–स्थायित्व संज्ञानात्मक कार्य में दक्षता प्राप्त करने लगा है। अर्थात् शिशु में संज्ञानात्मक विकास हो चुका है। वस्तु स्थायित्व (Object Permanence) की अवस्था में बालक यह जान पाता है कि घटनाएँ एवं वस्तुएँ तब भी उपस्थित रहती हैं जब वे हमारे सामने नहीं होती हैं। अतः वह इस विधि के द्वारा छिपी हुई वस्तुओं को खोज लेता है।

14. एक अध्यापक/अध्यापिका ने पाया कि एक विद्यार्थी वर्ग बनाने में कठिनाई अनुभव कर रहा है। उसने अनुमान लगाया कि वह हीरे (diamond) का चित्र बनाने में भी कठिनाई अनुभव करेगा। उसने निम्नलिखित में से किस सिद्धान्त पर आधारित होकर यह अनुमान लगाया?

(A) विकास एक व्यवस्थित क्रम में होने की प्रवृत्ति से सम्बद्ध है

(B) विकास की प्रक्रिया एक उत्परिवर्तनीय प्रक्रिया है

(C) विकास निरन्तरीय होता रहता है

(D) अलग–अलग लोगों के लिए विकास की प्रक्रिया भी अलग–अलग होती है

CTET 16-02-2014 (VI-VIII)

14. (A) अध्यापक/अध्यापिका ने यह अनुमान लगाया कि चूँकि विकास एक व्यवस्थित क्रम में होता है इसलिए यदि एक विद्यार्थी वर्ग बनाने में कठिनाई अनुभव कर रहा है तो उसे हीरे का चित्र बनाने में भी कठिनाई होगी।

15. निम्न में से किसका मिलान उचित है?

(A) संज्ञानात्मक विकास – परिपक्वता

(B) सामाजिक विकास – वातावरण

(C) संवेगात्मक विकास – परिपक्वता

(D) शारीरिक विकास – वातावरण

CTET 28-07-2013 (VI-VIII)

15. (B) सामाजिक विकास का सीधा सम्बन्ध वातावरण से है। छात्रों को जैसा परिवेश (वातावरण) मिलेगा उनका सामाजिक विकास भी उसी परिवेश (वातावरण) के अनुसार होगा।

16. ..... के अतिरिक्त निम्नलिखित सभी तथ्य संकेत करते हैं कि बच्चा कक्षा में संवेगात्मक और सामाजिक रूप से समायोजित है।

(A) चुनौतीपूर्ण कार्यों पर ध्यान केंद्रित करना और उन्हें दृढ़तापूर्वक करते रहना

(B) क्रोध तथा हर्ष दोनों को प्रभावी रूप से प्रबंधित करना

(C) हम उम्र साथियों के साथ प्रतियोगिता पर दृढ़तापूर्वक ध्यान केंद्रित करना

(D) हम उम्र साथियों के साथ मधुर संबंधों का विकास

CTET 28-07-2013 (VI-VIII)

16. (C) हम उम्र साथियों के साथ प्रतियोगिता पर दृढ़तापूर्वक ध्यान केन्द्रित करने के अतिरिक्त निम्नलिखित सभी तथ्य संकेत करते हैं कि बच्चा कक्षा में संवेगात्मक और सामाजिक रूप से समायोजित है।

17. निम्न में से कौन–सा कथन बच्चे के विकास में परिवेश की भूमिका का समर्थन करता है?

(A) पिछली कुछ दशाब्दियों में बुद्धि लब्धांक परीक्षा में शिक्षार्थियों के औसत प्रदर्शन में लगातार वृद्धि हुई है।

(B) एक समान जुड़वाँ बच्चे जिनका लालन–पालन भिन्न घरों में हुआ है, उनकी बुद्धिलब्धि 0.75 के समान उच्च है।

(C) शारीरिक रूप से स्वस्थ बच्चे अक्सर नैतिक रूप से अच्छे पाए जाते हैं।

(D) कुछ शिक्षार्थी सूचनाओं का जल्दी प्रक्रमण करते हैं जबकि उसी कक्षा के अन्य विद्यार्थी ऐसा नहीं कर पाते।

CTET 28-07-2013 (VI-VIII)

17. (A) पिछले कुछ दशकों में बुद्धि लब्धांक परीक्षा में शिक्षार्थियों के औसत प्रदर्शन में लगातार वृद्धि हुई है। यह तथ्य दर्शाता है कि पिछले कुछ दशकों से कुछ ऐसा अधिगम वातावरण बन रहा है जिसमें बच्चे सुलभता से अपने आपको समायोजित कर पा रहे हैं और बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं।

18. मिश्रित आयु–वर्ग वाले विद्यार्थियों की कक्षा से व्यवहार रखने वाले शिक्षक के लिए ..... का ज्ञान सर्वाधिक महत्वपूर्ण है।

(A) उनके अभिभावकों का व्यवसाय
(B) सामाजिक–आर्थिक पृष्ठभूमि
(C) सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
(D) विकासात्मक अवस्थाओं

CTET 18-11-2012 (VI-VIII)

18. (D) मिश्रित आयु वर्ग वाले विद्यार्थियों की कक्षा से व्यवहार रखने वाले शिक्षक के लिए विकासात्मक अवस्थाओं का ज्ञान सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है।

19. संकल्पनाओं की व्यवस्थित प्रस्तुति विकास के निम्नलिखित किन सिद्धांतों के साथ सम्बन्धित हो सकती है?
(A) विकास के परिणामस्वरूप वृद्धि होती है
(B) विकास विषमजातीयता से स्वायत्तता की ओर अग्रसर होता है
(C) विद्यार्थी भिन्न दरों पर विकसित होते हैं
(D) विकास सापेक्ष रूप से क्रमिक होता है

CTET 18-11-2012 (VI-VIII)

19. (D) संकल्पनाओं की व्यवस्थित प्रस्तुति 'विकास सापेक्ष रूप से क्रमिक होती है' सिद्धान्त से सम्बन्धित है।

20. विकास शुरू होता है–
(A) उत्तर–बाल्यावस्था से
(B) प्रसवपूर्व (Pre-natal) अवस्था से
(C) शैशवास्था (Infancy) से
(D) पूर्व–बाल्यावस्था से

CTET 29-01-2012 (VI-VIII)

20. (B) विकास अवस्था के स्तर में मनोवैज्ञानिकों ने बताया है कि विकास प्रसव के चार माह पूर्व शुरू हो जाता है। यह मुख्यतः तीन चरणों में होता है–कीटाणु मंच, भ्रूण अवस्था और भ्रूण चरण।

21. अवधारणाओं का विकास मुख्य रूप से का हिस्सा है।
(A) शारीरिक विकास
(B) सामाजिक विकास
(C) संवेगात्मक विकास
(D) बौद्धिक विकास

CTET 26-06-2011 (VI-VIII)

21. (D) अवधारणाओं का विकास मुख्य रूप से बौद्धिक विकास का हिस्सा है, क्योंकि किसी भी अवधारणा को चिंतन करने के लिए उसकी छवि मस्तिष्क में बनती है जिससे उसके बारे में सोचकर अपनी अवधारणा प्रकट की जा सकती है।

22. व्यक्तिगत शिक्षार्थी एक–दूसरे से ——— में भिन्न होते हैं।
(A) विकास–क्रम
(B) विकास की सामान्य क्षमता
(C) वृद्धि एवं विकास के सिद्धांत
(D) विकास की दर

CTET 26-06-2011 (VI-VIII)

22. (D) वैयक्तिक विभिन्नताओं का सिद्धान्त कहता है कि प्रत्येक व्यक्तिगत शिक्षार्थी एक–दूसरे की विकास दर भिन्न–भिन्न होती है।

23. 'बच्चे के उचित विकास को सुनिश्चित करने के लिए उसका स्वस्थ शारीरिक विकास एक महत्त्वपूर्ण पूर्व आवश्यकता है।' यह कथन–
(A) सही है, क्योंकि विकास–क्रम में शारीरिक विकास सबसे पहले स्थान पर आता है।
(B) सही है, क्योंकि शारीरिक विकास, विकास के अन्य पक्षों के साथ अंतःसम्बन्धित है
(C) ग़लत है, क्योंकि शारीरिक विकास, विकास के अन्य पक्षों को किसी भी प्रकार से भी प्रभावित नहीं करता
(D) ग़लत हो सकता है, क्योंकि विकास नितांत व्यक्तिगत मामला है

CTET 26-06-2011 (VI-VIII)

23. (B) किसी भी बच्चे के सम्पूर्ण विकास के लिए शारीरिक एवं अन्य विकास साथ–साथ होने चाहिए। क्योंकि शारीरिक विकास, विकास के अन्य पक्षों के साथ अंतःसम्बन्धित है।

24. इरफान खिलौनों को तोड़ता है और उसके पुर्ज़ों को देखने के लिए उन्हें अलग–अलग कर देता है। आप क्या करेंगे?
(A) उसके जिज्ञासु स्वभाव को प्रोत्साहित करेंगे और उसकी ऊर्जा को सही दिशा में संचरित करेंगे
(B) उसे समझाएँगे कि खिलौनों को तोड़ना नहीं चाहिए
(C) इरफान को खिलौनों से कभी भी नहीं खेलने देंगे
(D) उस पर हमेश नज़र रखेंगे

CTET 26-06-2011 (VI-VIII)

24. (A) बच्चों द्वारा खिलौनों को तोड़ना तथा उनके पुर्जों को देखना यह दर्शाता है कि बच्चा इस प्रकार के कार्य को उत्सुकता से करता है। अतः इस प्रकार के जिज्ञासु स्वभाव के बच्चों को प्रोत्साहित करना चाहिए, ताकि उनकी ऊर्जा को सही दिशा में संचारित हो तथा बालक का मानसिक विकास सही दिशा में हो सके।

25. मानव विकास कुछ विशेष सिद्धांतों पर आधारित है। निम्नलिखित में से कौन–सा मानव विकास का सिद्धांत नहीं है?
(A) सामान्य से विशिष्ट
(B) प्रतिवर्ती
(C) निरंतरता
(D) आनुक्रकिता

CTET 26-06-2011 (VI-VIII)

25. (B) प्रतिवर्ती मानव विकास का सिद्धान्त नहीं है। 'प्रतिवर्ती' शब्द का अर्थ है 'पुनः प्रारम्भ करना' और मानव विकास एक बार परिपक्वता प्राप्त करने पर पुनः प्रारम्भ नहीं हो सकता।

2. बाल विकास के सिद्धान्त

1. निम्नलिखित में से कौन–सा विकास का सिद्धान्त नहीं है ?
(A) विकास तुलनात्मक रूप से क्रमिक होता है
(B) विकास समय के साथ धीरे–धीरे घटित होता है
(C) विकास की सटीक गति एवं प्रकृति जन्म के समय ही निर्धारित हो जाती है
(D) व्यक्ति अलग–अलग गति से विकास करते हैं

CTET 07-07-2019 (VI-VIII)

1. (C) व्यक्ति का विकास निम्नलिखित सिद्धांतों का अनुसरण करता है –
- विकास की प्रक्रिया निरंतर अविराम गति से चलती रहती है।
- भिन्न-भिन्न व्यक्तियों के विकास की गति एवं दिशा भिन्न-भिन्न होती है।
- विकास की गति तथा दिशा में परिमार्जन सम्भव होता है।
- विकास तुलनात्मक रूप से क्रमिक होता है।
- विकास समय के साथ धीरे-धीरे घटित होता है।
- विकास रेखीय गति एवं स्थिर दर से न होकर चक्राकार ढंग से होता है।
- विकास अधोगति रूप में अर्थात् सिर से पैर की ओर होता है।

अतः विकास की सटीक गति एवं प्रकृति जन्म के समय ही निर्धारित हो जाती है, यह विकास का सिद्धांत नहीं है।

2. विकास के सिद्धांतों के बारे में निम्नलिखित में से कौन–सा कथन गलत है?
(A) विकास एक परिमाणात्मक प्रक्रिया है जिसका ठीक–ठीक मापन हो सकता है।
(B) विकास परिपक्वन और अधिगम पर आधारित होता है।
(C) विकास वंशानुगतता और वातावरण के बीच सतत अन्योन्यक्रिया से होता है।

UNIT - 5

सामाजिक अध्ययन

1. इतिहास के स्रोत (कब, कहाँ और कैसे)

1. निम्नलिखित में से किसके लेखन को प्राथमिक स्रोत के रूप में माना नहीं जा सकता है ?
(A) अबुल फजल
(B) राससुंदरी देवी
(C) जियाउद्दीन बरनी
(D) मुज्जफर आलम

CTET 07-07-2019 (VI-VIII)

1. (D) मुजफ्फर आलम के लेखन को प्राथमिक स्रोत के रूप में नहीं माना जा सकता।

2. यदि आपको प्राचीन भारतीय इतिहास पढ़ाना प्रारम्भ करना है तो निम्नलिखित स्रोतों में से किस स्रोत को प्रयुक्त करना गलत होगा ?
(A) लघु चित्रकारी (B) शिलालेख
(C) हस्तलिपियाँ (D) गुफा चित्रकारी

CTET 07-07-2019 (VI-VIII)

2. (A) यदि आपको प्राचीन भारतीय इतिहास पढ़ाना है तो शिलालेख, हस्तलिपियाँ और गुफा चित्रकारी को प्रयुक्त करना उचित होगा।

3. नीचे दो कथन उन्नीसवीं शताब्दी में नई लोकप्रिय भारतीय कला के संदर्भ में हैं।
कथन (A) : कई चित्रों में अपने आस–पास के बदलावों का उपहास किया गया, अंग्रेजी भाषी लोगों के नए शौकों का मजाक तथा औरतों को घर से बाहर न निकलने की सलाह दी गई।
कथन (B) : राष्ट्रवादी विचारों को अभिव्यक्त करने और लोगों को ब्रिटिश शासन के खिलाफ उद्वेलित करने के लिए छवियों का इस्तेमाल किया जाता था।
(A) (A) और (B) दोनों सही हैं, किन्तु (A) की सही व्याख्या (B) नहीं है
(B) (A) सही है, किन्तु (B) गलत है
(C) (A) गलत है, किन्तु (B) सही है
(D) (A) और (B) दोनों सही हैं तथा (A) की सही व्याख्या (B) है

CTET 08-12-2019 (VI-VIII)

3. (A) अंग्रेजी भाषी लोगों के या ब्रिटिश शासन के खिलाफ उद्वेलित करने के लिए छवियों का इस्तेमाल किया जाता था, जबकि अंग्रेजी भाषी लोगों के नए शौकों का मजाक तथा औरतों को घर से बाहर न निकलने जैसा कोई माहौल या संस्कृति थी।

4. भारत में आरंभिक मानवों पर समझ के लिए निम्नलिखित में से किसे एक प्राथमिक स्रोत माना जा सकता है ?
(A) गिरनार का शैल अभिलेख
(B) पादशाहनामा चित्रकला
(C) मध्य प्रदेश की शैल चित्रकला
(D) कांगड़ा शैली की चित्रकला

CTET 08-12-2019 (VI-VIII)

4. (C) मध्य प्रदेश की शैल चित्रकला भारत में आरंभिक मानवों पर समझ के लिए प्राथमिक स्रोत माना जा सकता है। भीमबेटका मध्य प्रदेश के रायसेन जिले में स्थित एक पुरापाषाणिक स्थल है। यह आदिमानवों द्वारा बनाये गये शैल चित्रों के लिए प्रसिद्ध है।

5. जनजातीय लोगों के इतिहास के पुनर्निर्माण में निम्न में से कौन–सा कथन गलत है ?
(A) अधिकांश जनजातीय समूहों ने लिखित दस्तावेज रखा है
(B) जनजातीय लोगों ने समृद्ध रीति–रिवाजों और मौखिक परंपराओं का संरक्षण किया है
(C) जनजातीय समाज अपनी विविध किस्म की जरूरतों के लिए एक-दूसरे पर निर्भर रहा
(D) समकालीन इतिहासकार और मुसाफिरों ने जनजातियों के बारे में बहुत कम जानकारी दी है

CTET 08-12-2019 (VI-VIII)

5. (A) अधिकांश जनजातीय समूहों ने लिखित दस्तावेज रखा है। जनजातीय लोगों के इतिहास के पुनर्निर्माण में यह कथन गलत है।

6. सबसे पुरानी पांडुलिपियाँ ..... पर लिखी गई थीं।
(A) कागज (B) लकड़ी
(C) ताड़पत्रों (D) पत्थरों

CTET 09-12-2018 (VI-VIII)

6. (C) सबसे पुरानी पांडुलिपियाँ ताड़पत्रों पर लिखी गयी थीं।

7. गणितज्ञ तथा खगोलशास्त्री आर्यभट्ट ने *आर्यभट्टीयम्* नामक पुस्तक निम्नलिखित भाषाओं में से किसमें लिखी थी?
(A) पाली (B) संस्कृत
(C) प्राकृत (D) हिन्दी

CTET Feb., 2016 (VI-VIII)

7. (B) आर्यभट्ट ने 'आर्यभट्टीयम' एवं 'सूर्यसिद्धान्त' नामक ग्रंथ लिखे। इसी ने सर्वप्रथम बताया कि पृथ्वी सूर्य के चारों ओर घूमती है। आर्यभट्टीयम की रचना संस्कृत में की गई।

8. हैलियोग्राफी सम्बन्धित है–
(A) शासक के आत्मकथा लेखन से
(B) सन्त के जीवनी लेखन से
(C) सन्त के आत्मकथा लेखन से
(D) शासक के जीवनी लेखन से

CTET 22-02-2015 (VI-VIII)

8. (B) हैलियोग्राफी से तात्पर्य किसी सन्त की जीवनी लेखन से है। हैलियोग्राफी, आत्मकथा या इतिहास के उस अपमान-जनक सदर्भों के लिये प्रयोग की जाती है जिसके लेखकों के बारे में अनुभव किया है कि वे आलोचनात्मक या अपने विषयों के प्रति आदरणीय है।

9. पाण्डुलिपियों और अभिलेखों पर निम्नलिखित दो कथनों (A) और (B), पर विचार कीजिए और सही उत्तर का चयन कीजिए–
(A) पाण्डुलिपियाँ प्रायः ताड़पत्रों अथवा भूर्ज नामक वृक्ष की छाल से विशेष तरीके से तैयार भोजपत्र पर लिखी जाती थीं।
(B) अभिलेख पत्थर तथा धातु जैसी अपेक्षाकृत कठोर सतहों पर उत्कीर्ण किए जाते थे।
(A) (A) गलत है और (B) सही है
(B) (A) और (B) दोनों सही हैं
(C) (A) और (B) दोनों गलत हैं
(D) (A) सही है और (B) गलत है

CTET 22-02-2015 (VI-VIII)

9. (B) पांडुलिपियाँ प्रायः ताड़पत्रों अथवा भूर्जपत्रों पर लिखी जाती हैं। जबकि अभिलेख पत्थर या धातु जैसी अपेक्षाकृत कठोर सतहों पर उत्कीर्ण किये जाते हैं।

10. भारतीय इतिहास को 'प्राचीन', 'मध्य', और 'आधुनिक' कालों में विभाजित करने में समस्याएँ भी हैं। निम्नलिखित में से वह समस्या कौन–सी है?

(A) त्रिविभाजन भारतीय राज्यों की क्रमिक प्रगति को दर्शाता है

(B) तीन काल भारतीय इतिहास को वर्णित करने के लिए अपर्याप्त हैं

(C) यह संकल्पना पश्चिम से ली गई है जहाँ आधुनिक काल विज्ञान, तर्कणा, लोकतंत्र, स्वतंत्रता और समानता से सम्बन्धित है

(D) भारतीय इतिहास में 'प्राचीन काल' और 'मध्यकाल', तथा 'मध्यकाल' और 'आधुनिक काल' में अंतर की स्पष्ट रेखाएँ प्रतीत होती हैं

CTET 29-01-2012 (VI-VIII)

10. (C) "भारतीय इतिहास को प्राचीन, मध्य तथा आधुनिक कालों में विभाजित करने में भी समस्याएँ हैं" संकल्पना पश्चिम से ली गई हैं क्योंकि वहाँ आधुनिक काल का सम्बन्ध विज्ञान, तर्क, लोकतन्त्र, समानता व स्वतन्त्रता से है।

11. आदिवासी (जनजातीय) लोग अपना पिछला लिखित रिकॉर्ड नहीं रखते हैं। वर्तमान के इतिहासकार आदिवासी इतिहास कैसे लिखते हैं?

(A) प्राकृतिक परंपराओं का प्रयोग करके

(B) आदिवासी पौराणिक–कथाओं का प्रयोग करके

(C) पुरातत्त्वीय स्रोतों का प्रयोग करके

(D) वाचिक परंपराओं का प्रयोग करके

CTET 29-01-2012 (VI-VIII)

11. (D) आधुनिक इतिहासकार आदिवासी (जनजाति) लोगों का इतिहास लिखने के लिये वाचिक परम्परा का प्रयोग करते हैं।

12. ऐतिहासिक स्थल वह है जहाँ–

(A) अतीत के स्मृति शेष/अवशेष मिलते हैं

(B) उत्खनन के क्रियाकलाप होते हैं

(C) इतिहास–प्रिय लोग जुटते हैं

(D) इतिहासकार इतिहास लिखते हैं

CTET 29-01-2012 (VI-VIII)

12. (A) ऐसे स्थान जहाँ अतीत के स्मृति शेष/अवशेष मिलते हैं, ऐतिहासिक स्थल कहलाते हैं। जैसे–हड़प्पा, मोहनजोदड़ो आदि।

13. निम्नलिखित में से कौन–सा कथन 'प्राचीन हस्तलिपि' के संदर्भ में सही ***नहीं*** है?

(A) वे प्रायः ताड़ पत्रों पर लिखी हुई थीं

(B) वे जिस काल को प्रदर्शित करती हैं उस काल का मुख्य स्रोत हैं

(C) वे हस्तलिखित थीं और उसके बाद मुद्रित की गई थीं

(D) कुछ हस्तलिपियाँ पत्थर या धातु पर उकेरी गई थीं

CTET 26-06-2011 (VI-VIII)

13. (B) प्राचीन हस्तशिल्प उस काल का मुख्य स्रोत होती है जिसको प्रदर्शित करती हैं। ज्ञात हो कि हस्तशिल्प में हाथों से कारीगारी या शिल्पकारी की जाती है। यह कार्य कागज, लकड़ी, मिट्टी चट्टान, धातु आदि पर किया जाता है।

14. महापाषाणों के विषय में निम्नलिखित कथनों में से कौन–सा कथन सही है?

(A) इनका उपयोग दफन करने की जगहों को चिह्नित करने के लिए किया जाता था।

(B) ये सभी भूमिगत और दृष्टि से ओझल रूप में पाए गए थे।

(C) ये पत्थर के औजार बनाने के लिए कच्चा माल उपलब्ध कराते थे।

(D) ये भारतीय उपमहाद्वीप के उत्तर–पश्चिम में संकेन्द्रित थे।

CTET Sept. 2016 (VI-VIII)

14. (A) महापाषाण (Megalith) ऐसे बड़े पत्थर या शिला को कहा जाता है जिसका प्रयोग किसी स्तम्भ, स्मारक या अन्य निर्माण के लिए किया गया हो।

15. बी.सी.ई. का तात्पर्य है–

(A) बिफोर कॉमन एरा

(B) बिफोर सीजर एरा

(C) बिफोर कॅन्टिंपररी एरा

(D) बिफोर क्रिश्चियन एरा

CTET 08-12-2019 (VI-VIII)

15. (A) बी.सी.ई. का पूरा नाम बिफोर कॉमन एरा है। इसे बी.सी. के स्थान पर उपयोग में लाया जाता है। बी.सी. का पूर्ण रूप बिफोर क्राइस्ट है। ग्रेगोरियन कैलेण्डर में ईसवी (ई.) ईसा मसीह के जन्म के बाद के वर्षों को दर्शाता है और ईसा पूर्व (ई.पू.) उनके जन्म से पूर्व के वर्षों को दर्शाता है।

16. 'कॉमन एरा' क्या है?

(A) आदेश जारी करने के लिए सरकार द्वारा स्वीकृत भारतीय 'एरा'

(B) हिंदू 'एरा' और इस्लामिक 'एरा' के सम्मिश्रण से विकसित एक नया 'एरा'

(C) ऐतिहासिक घटनाओं का अध्ययन करने का नया 'एरा'

(D) क्रिश्चियन 'एरा' जो अब दुनिया के अधिकांश हिस्सों में स्वीकृत है

CTET 29-01-2012 (VI-VIII)

16. (D) विश्व के अधिकांश हिस्सों में स्वीकृत क्रिश्चियन एरा को ही कॉमन एरा के नाम से जाना जाता है।

17. ह्वेनसांग एक ..... यात्री था।

(A) अंग्रेजी (B) रोमन

(C) चीनी (D) पुर्तगाली

[HSSC Group-D परीक्षा तिथि : 11-11-2018, प्रथम पाली]

17. (C) ह्वेनसांग एक चीनी यात्री था, जो हर्षवर्धन के समय में भारत आया था।

18. सन् 2012 निम्नलिखित में से किस प्रकार से भी लिखा जा सकता है?

(A) ई.सी. 2012 (B) ए.डी. 2012

(C) ए.पी. 2012 (D) बी.सी. 2012

CTET 18-11-2012 (VI-VIII)

18. (B) सन् 2012 को ए. डी. 2012 के रूप में भी लिखा जा सकता है। ज्ञात हो कि ए. डी. का पूर्ण रूप एनो डॉमिनी (Anno Domini) होता है।

19. नीचे कुछ स्थानों एवं वर्तमान राज्य के नाम दिए गए हैं जहाँ अनाज और पालतू पशुओं के प्रमाण/साक्ष्य पाए गए हैं–

स्थान का नाम	**वर्तमान राज्य**
(a) चिरान्द	(e) कश्मीर
(b) कोहदिह्वा	(f) उत्तर प्रदेश
(c) बर्जोहम	(g) आन्ध्र प्रदेश
(d) हालुर	(h) बिहार

उपर्युक्त दो कॉलमों के सही जोड़े हैं–

(A) ah; bf; ce; dg

(B) ag; bh; cf; de

(C) ae; bg; ch; df

(D) af; be; cg; dh

CTET 16-02-2014 (VI-VIII)

19. (A) सही मिलान निम्नवत् है–

चिरान्द	–	बिहार
कोलदिह्वा	–	उत्तर प्रदेश
बर्जोदृम	–	कश्मीर
हालुर	–	बिहार

20. 'भरत' लोगों का एक समूह था, जिसका उल्लेख 'ऋग्वेद' में मिलता है। वे ..... में रहते थे।

(A) दक्षिण भारत

(B) उत्तर भारत

(C) पश्चिम भारत

(D) उत्तर–पश्चिम भारत

CTET 21-09-2014 (VI-VIII)

20. (D) "भरत" लोगों का एक समूह था जिसका उल्लेख "ऋग्वेद" में मिलता है। ये लोग सरस्वती नदी के किनारे उत्तर–पश्चिमी भारत में रहते थे।